जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 174 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 14 जनवरी, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

सोमवार, पौष पूर्णिमा के दिन दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम महाकुंभ के पहले स्नान पर्व शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पतित पाविनी गंगा,श्यामल वर्ण यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर अमृत स्नान किया। इसके साथ ही महाकुम्भ की विशिष्ट परंपरा, कल्पवास की भी शुरुआत हो गई है। पद्म पुराण और महाभारत के अनुसार संगम तट पर माघ मास में कल्पवास करने से सौ वर्षों तक तपस्या करने के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। श्रद्धालुओं ने संगम तट पर केला, तुलसी और जौ रोपकर कल्पवास की शुरुआत की। अमेरिका, रूस, जर्मनी, इटली, इक्वाडोर सहित अनेक देशों से आये विदेशी श्रद्धालु भी मानवता के इस मंगलपर्व के साक्षी बने। जानकारी के अनुसार शाम चार बजे तक एक करोड़ 60 लाख लोग संगम में पवित्र डुबकी लगा चुके थे। महासंगम में सारा दिन हर-हर गंगे के जयकारे गूंजते रहे। आधी रात से ही श्रद्धालु और कल्पवासी संगम तट पर जुटने लगे थे। हर-हर गंगे और जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से पूरा मेला क्षेत्र गूंज उठा। महाकुम्भ में कल्पवास करना विशेष फलदायी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार माघ मास में पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक कल्पवास करने का विधान है। कल्पवासी पूरे माघ मास केला और तुलसी का पूजन करेंगे। तीनों काल में सभी कल्पवासी नियम पूर्वक गंगा स्नान, जप, तप, ध्यान, सत्संग और पूजन करेंगे। महाकुंभ का संगम घाट इस बार दुनिया के लिए बड़ा आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। स्पेनिश, जर्मन, रशियन और फ्रेंच समेत कई विदेशी भाषाओं में जय राम और हर हर गंगे के जयकारों से संगम का वातावरण गूंज उठा। विदेशी श्रद्धालुओं ने इसे आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र बताया है।

महाकुंभ के पहले दिन डेढ़ करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई

सुबह से संगम में स्नान करने के इच्छुक शृद्धालुओं की भारी भीड़ लग गई

- **विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में लोग संगम किनारे एक माह का कल्पवास करने की प्राचीन परम्परा निभा रहे हैं।**

प्रयागराज, 13 जनवरी। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने महाकुंभ मेला क्षेत्र में सांस्कृतिक कलाग्राम का उद्घाटन किया और साथ ही प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि दुनिया महाकुंभ को उत्सुकता के साथ देख रही है। उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि महाकुंभ क्षेत्र में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन होगा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां होंगी। श्री शेखावत ने कहा कि महाकुंभ देश को एकता में बांधता है।

तीर्थराज प्रयागराज में विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुम्भ की शुरुआत आज प्रथम स्नान के साथ हो गई। त्रिवेणी के संगम में सुबह से देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई, इसके साथ ही एक महीने के कल्पवास की शुरुआत भी आज से हो गई। एक तरफ जहां श्रद्धालु पवित्र संगम में डुबकी लगाएंगे तो वहीं, बड़ी संख्या में लोग संगम किनारे कल्पवास की प्राचीन परंपरा का भी पालन करेंगे।

महाकुम्भ में पहले स्नान के लिए तड़के से ही संगम में श्रद्धालुओं का भारी भीड़ लगी हुई है। देश ही नहीं, दुनियाभर से लोग दिव्य और भव्य महाकुम्भ का अद्भुत अनुभव करने के लिए संगमनगरी पहुंचे हैं। विदेश से प्रयागराज आए श्रद्धालुओं का कहना है कि वे कई वर्षों से सनातन धर्म से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न स्वास्थ्य, न उम्र, न ही गांधी परिवार का गहलोत के प्रति अविश्वास, गहलोत के पक्ष में है

पर, फिर भी उनका सत्ता, ''रुतबा'' व राजनीति के लिये लगाव, राजनीतिक महत्वाकांक्षा को लगातार हवा देता रहता है

- **जहाँ तक स्वास्थ्य का सवाल है, गहलोत ने स्वयं ट्वीट कर सार्वजनिक किया कि अभी जब वे मुम्बई यात्रा पर थे, उनको तुरंत ''गॉल ब्लैडर'' का ऑपरेशन कराना पड़ा। यह ''गॉल ब्लैडर'', ट्वीट के अनुसार, काफी समय से उन्हें तकलीफ दे रहा था।**
- **वैसे, पार्टी का राजस्थान का चुनाव हारने के बाद, गहलोत अस्वस्थ रहे हैं तथा अस्पताल जाना-आना काफी समय तक बना रहा है। इसके बाद, अस्पताल की सभी सुविधाएं उन्हें घर पर उपलब्ध करायी गईं और घर पर वे काफी समय तक रोगी-शैय्या पर रहे।**
- **25 सितम्बर को सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत करने के बाद, गांधी परिवार का उन पर से जो विश्वास उठा था, वह खाई अभी बरकरार है।**
- **पर, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा की ज्वाला, विशेषकर, सचिन पायलट के कारण पैदा असुरक्षा की भावना और तेज हो गई। पर, जहाँ उन्होंने हाथ डाला, चाहे हरियाणा विधानसभा या महाराष्ट्र का इलैक्शन, असफलता ही हाथ लगी।**
- **और, अब वे सचिन से प्रतिद्वंदिता, दिल्ली में चुनाव की तैयारी में पूर्णतया दिखा रहे हैं। सचिन, दिल्ली के चुनाव में सक्रिय हुए तो, गहलोत ने भी वहाँ प्रेस कॉन्फ्रेंस ले डाली। तो, हाईकमान ने सचिन के लिये एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करवायी और घोषणा करवायी कि कांग्रेस हर बेरोजगार युवक को 8,500 रूपए प्रतिमाह देगी। एक साल तक, जिससे वह अपनी शिक्षा पूरी कर ले।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस समय मुम्बई के एक अस्पताल में हैं। वहाँ उनका गॉल ब्लैडर (पित्ताशय) ऑपरेशन हुआ है। उन्हें आराम की सलाह दी गई है तथा वे कुछ समय तक लोगों से नहीं मिल सकेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा किये गये एक ट्वीट के अनुसार, कुछ दिन से गॉल ब्लैडर उन्हें तकलीफ दे रहा था तथा जब वे मुम्बई आये हुये थे, तुरंत ही उनका ऑपरेशन करना पड़ा।

71-वर्षीय राजनेता गहलोत पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी कई कष्टों का सामना कर रहे हैं। कुछ समय से, उनके अस्पताल में जाने-आने का सिलसिला चल ही रहा है। राजस्थान विधानसभा चुनावों में मिली हार के तुरंत बाद ही, उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था, जिसके बाद वे घर पर ही विश्राम करते रहे। वे घर में कुछ समय बैड पर ही रहे, जहाँ उनके लिये अस्पताल जैसी सारी सुविधाएं उपलब्ध थीं।

लेकिन, अधिकांश राजनेताओं की तरह, समय और उम्र के साथ सत्ता, पद और राजनीति के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ है।

उन्होंने अपने पाँच साल के शासनकाल का ज्यादातर समय अपने से युवा, बेहतर वक्ता तथा खुद से अधिक करिश्माई साथी सचिन पायलट के खिलाफ षड़यंत्र करने में ही गुजार दिया था।

पायलट के खिलाफ उनका भय तथा असुरक्षा की भावना 25 सितम्बर को इस हद तक बढ़ गई थी कि उन्होंने सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत कर दी थी, राज्य के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिये चालबाजी की तथा कांग्रेस अध्यक्ष बनने के प्रस्ताव तक को ठुकरा दिया था। वे पायलट से इस सीमा तक आशंकित थे कि उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से दूर रखने के लिये किसी भी हद तक जाने को तैयार थे।

और अब वे अपने धन-बल का उपयोग करके कांग्रेस की राजनीति के केन्द्र में वापस आना चाह रहे हैं।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि जहाँ तक गांधी परिवार का प्रश्न है, गहलोत के खिलाफ उनका अविश्वास अभी भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट ने गंगापुर सिटी जिला खत्म करने पर जवाब मांगा

- **ठोस आधार नहीं बताया तो याचिकाकर्ता पर भारी हर्जाना लगाया जा सकता है।**

जयपुर, 13 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से बनाए गए गंगापुर सिटी जिले को खत्म करने के मामले में राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि जिला खत्म करने के निर्णय में विवेक का इस्तेमाल कर लिया गया है या नहीं? वहीं, अदालत ने याचिकाकर्ता को बताने को कहा है कि उन्होंने जनहित याचिका पेश करने से पूर्व राज्य सरकार से इस संबंध में जानकारी जुटाने के लिए क्या किया है? अदालत ने याचिकाकर्ता को मौखिक रूप से चेताया है कि यदि इस संबंध में कोई ठोस आधार नहीं बताया गया तो जनहित याचिका को भारी हर्जाने के साथ खारिज किया जा सकता है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश गंगापुर सिटी विधायक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फरवरी 2020 को दिल्ली में हुए दंगे के 3 आरोपी चुनाव लड़ रहे हैं इस बार

ताहिर हुसैन व शाहरुख पठान, ओवैसी की पार्टी की ओर से उम्मीदवार हैं तथा तीसरा ओरापी इशरत जहान कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहा है

- **जैसा कि विदित ही है, 24 फरवरी 2020 को नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में हिंसा भड़की थी तथा 53 लोगों की जान गई थी।**
- **26 फरवरी 2020 को रविन्द्र कुमार ने एक एफ.आई.आर. करवाई थी कि उसका पुत्र अंकित शर्मा जो इंटैलिजैंस ब्यूरो में पोस्टेड था, 25 फरवरी से लापता है। यह आरोप लगाया गया है, एफ.आई.आर. में कि अंकित शर्मा के अवशेष खजूरी खास नाले से बरामद किये गये हैं, जो दंगाग्रस्त क्षेत्र में बहता है। यह भी कहा गया है, एफ.आई.आर. में कि अंकित शर्मा के शरीर पर 51 चोट के निशान थे।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों के कम से कम तीन आरोपी विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। दो को ओवैसी की पार्टी ए.आई.एम.आई.एम. ने प्रत्याशी बनाया है, ये है जफराबाद का ताहिर हुसैन और शाहरुख पठान जो कि दिल्ली दंगों का पोस्टर बॉय था।

तीसरी है इशरत जहाँ जिसे कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन जो फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों में कई मामलों में आरोपी हैं, जेल से ही नामांकन पत्र भर सकते है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने हुसैन, जिस पर दंगों से जुड़ा हत्या का मामला है, की जमानत मांगी जाने वाली अंतरिम याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस की तरफ से कहा कि, ऐसे कई उदाहरण हैं, जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिंगापुर के राष्ट्रपति आज भारत में

- **राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम राजनैतिक यात्रा पर भारत आ रहे हैं और 18 जनवरी तक भारत में रहेंगे।**

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम 14-18 जनवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर आयेंगे। शनमुगरत्नम की सिंगापुर के राष्ट्रपति के रूप में यह पहली भारत यात्रा होगी।

एक बयान के अनुसार, उनके साथ मंत्रियों, संसद सदस्यों और अधिकारियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सीएजी रिपोर्ट पेश करने में बरती जा रही टालमटोल से आपकी मंशा पर संदेह होता है'

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली के भाजपा विधायकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए तीखी टिप्पणी की

- **दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेन्द्र गुप्ता तथा 6 अन्य भाजपा विधायकों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की है कि विधानसभा अध्यक्ष को सदन की बैठक बुलाने के निर्देश दिए जाएं ताकि सदन में सीएजी रिपोर्ट पेश हो और उस पर चर्चा हो सके।**

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली सरकार की खिंचाई करते हुए कहा कि वह अपने कामकाज के बारे में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रिपोर्टों को विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत करने में टालमटोल कर रही है, जिससे उसकी वास्तविक मंशा पर शक होता है।

न्यायाधीश सचिन दत्ता ने विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, दिल्ली सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छात्र आंदोलन केस में नरेश मीणा बरी

- **देवली -उनियारा के निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के एसडीएम से मारपीट के मामले में आगे सुनवाई होगी।**

जयपुर, 13 जनवरी। न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-6 अदालत ने छात्र जीवन के दौरान दर्ज हुए मामले में देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार रहे नरेश मीणा को बरी कर दिया है। वहीं, विश्वविद्यालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान दर्ज एक अन्य प्रकरण में अदालत ने आरोपी नरेश मीणा को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इसके अलावा, उपचुनाव के दौरान समरावता में एसडीएम से मारपीट के मामले में नरेश मीणा की ओर से हाईकोर्ट में जमानत याचिका पेश की गई है, जिस पर अदालत आगामी दिनों में सुनवाई करेगी। गत दिनों टोंक के सत्र न्यायालय ने मीणा की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया था।

नरेश मीणा के अधिवक्ता फतेह राम मीणा ने बताया कि साल 2004 में नरेश मीणा ने विवि के छात्रसंघ चुनाव में महासचिव का चुनाव लड़ा था। मतगणना के दिन 21 अगस्त को वह मतगणना कक्ष में था। इस दौरान, बाहर हुए झगडे में पुलिस ने छह अन्य आरोपियों विजय सिंह, कपिल, जितेन्द्र, मोहम्मद शफी, अनिल और ज्ञानचंद सहित नरेश मीणा को आरोपी बनाकर एफआईआर दर्ज की थी। अदालत पूर्व में अनिल और जितेन्द्र को परिवीक्षा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हर मोर्चे पर असफल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर दबाव है कहीं तो नतीजे दिखाए

शांति और प्रशासन नहीं दे पाई तो जनता का ध्यान बंटाने के लिए सीमा पर तनाव पैदा कर रही है यूनुस सरकार

- **बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से ठप्प हो चुकी है और विदेशी बाजार पूरी तरह से छिन गया है।**
- **बांग्लादेश से होने वाले निर्यात में सबसे अग्रणी, रैडीमेड गारमैंट निर्माण नहीं हो पा रहा है। देश की रेडीमेड गारमैंट कम्पनियां विदेशी खरीददारों के ऑर्डर को पूरा नहीं कर पा रही हैं।**
- **आवश्यक खाद्य पदार्थों के दाम निरंतर बढ़ रहे हैं और आपूर्ति ना के बराबर है, बांग्लादेश की आम जनता बुरी तरह से त्रस्त है।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। बाँग्लादेश सीमा पर जानबूझकर तनाव बढ़ा रहा है और सीमा पर सेना तैनात करके अस्थिरता व युद्ध जैसे हालात का दिखावा कर रहा है। बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार देश में शांति और व्यवस्था तो कायम नहीं कर पाई और अब जनता का ध्यान बंटाने के लिए सीमा पर युद्ध का डर दिखा रही है।

शेख हसीना की निर्वाचित सरकार गिरे हुए कई महीने हो चुके हैं, अंतरिम सरकार अभी तक प्रशासन पर पकड़ नहीं बना पाई है।

इसी बीच भारत ने बाँग्लादेश के राजदूत को बुलाया, क्योंकि बाँग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के काम में अड़ंगे डाल रहा है।

भारत सीमा पर कांटेदार बाड़ लगा रहा है, ताकि माल्दा जिले के कुछ भागों में सीमा पर से घुसपैठ रोकी जा सके। बाँग्लादेश ने इसका विरोध किया है।

बाँग्लादेश में अव्यवस्था बढ़ गई है। इसका सारा विदेशी बाजार छिन गया है। कानून व्यवस्था और सुशासन के अभाव में अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। देश का मुख्य व्यवसाय रेडीमेड गारमेंट ठप्प पड़ गया है। बगावत के बाद से गारमेंट निर्माण इकाइयां सामान्य कामकाज नहीं कर पा रही है। विदेशी खरीददारों को समय पर पूरी सप्लाई नहीं हो पा रही है।

आम लोगों को महंगाई ने परेशान कर रखा है आवश्यक खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ गए हैं तथा उनकी आपूर्ति नहीं हो रही है। आम जनता का अंतरिम सरकार से मोहभंग हो गया है।

कुछ रिपोर्टों के अनुसार, यूनुस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म व बेचने में सहयोग पर आजीवन कारावास

- **अभियुक्त महिला ने नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म में अपने पुत्र का सहयोग किया। बाद में पीड़िता को अनैतिक कार्य के लिये बेचने का प्रयास किया।**

जयपुर, 13 जनवरी। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग किशोरी को अनैतिक काम के लिए बेचने का प्रयास और उससे दुष्कर्म में अपने पुत्र का सहयोग करने वाली महिला करिश्मा उर्फ कस्सो को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 61 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने प्रकरण में नैना, सपना और मंजू को गिरफ्तारी वारंट से तलब कर मुकदमा चलाने की कार्रवाई शुरू करने को कहा है। पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार गुप्ता ने कहा कि अभियुक्त ने स्वयं महिला होते हुए भी पीड़िता का दर्द नहीं समझा और उसे अपने बेटे की सहायता से घर से भगवाया। वहीं, उसे वेश्यावृत्ति के लिए बेचने का प्रयास किया। जब पीड़िता अपना लैंगिक शोषण कराने के लिए तैयार नहीं हुई तो अपने बेटे के जरिए उसे टार्चर कराया। अदालत ने कहा कि ऐसी महिला समाज रूपी बगिया में उगे कैक्टस के समान है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राकेश महर्षि ने अदालत को बताया (शेष अंतिम पृष्ठ पर)